December, 2025

Roll No.	**:**	
Unique Paper Code	**:**	**213137281102**
Title of the Paper	**:**	**The Philosophy of Aupniṣadic Tradition**
Name of the Course	**:**	**M.A. Sanskrit**
Type:	**:**	**DSE-1**
Scheme	**:**	**NEP-PGCF**
Semester	**:**	**I**
Duration	**:**	**3 Hours**
Maximum Marks	**:**	**90**

इस प्रश्नप्रत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमाँक लिखिए।

Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper

टिप्पणी: अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्न-पत्र का उत्तर **संस्कृत** या **हिन्दी** या **अंग्रेजी** किसी एक भाषा में दीजिए, परन्तु सभी प्रश्नों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Note: Unless otherwise required in a question, answers should be written in **Sanskrit** or in **Hindi** or in **English** but the same medium should be used throughout the paper.

1. निम्नलिखित की व्याख्या कीजिए : **8x4 = 32**
   Explain the following:

   (i) यथा सोम्यैकेन मृत्पिण्डेन सर्वं मृन्मयं विज्ञातं स्यात्वाचारम्भणं विकारो नामधेयं मृत्तिकेत्येव सत्यम्।

   अथवा/OR

   तदैक्षत बहु स्यां प्रजायेयेति तत्तेजोऽसृजत। तत्तेज ऐक्षत बहु स्यां प्रजायेयेति तदपोऽसृजत।

   (ii) स यथा सैन्धवघनोऽनन्तरोऽबाह्यः कृत्स्नो रसघन एवैवं वा अरेऽयमात्मानन्तरोऽबाह्यः कृत्स्नः प्रज्ञानघन एवैतेभ्यो भूतेभ्यः समुत्थाय तान्येवानुविनश्यति न प्रेत्य संज्ञास्तीत्यरे ब्रवीमीति होवाच याज्ञवल्क्यः।

   अथवा/OR

   यत्र हि द्वैतमिव भवति तदितर इतरं पश्यति तदितर इतरं जिघ्रति तदितर इतर रसयते तदितर एतरमभिवदति तदितर इतर श्रृणोति।

   (iii) किं कारणं ब्रह्म कुतः स्म जाता जीवाम केन क्व अ सम्प्रतिष्ठाः
   अधिष्ठाताः केन सुखेतरेषु वर्तामहे ब्रह्मविदो व्यवस्थाम।

   अथवा/OR

   युजे वां ब्रह्म पूर्व्यं नमोभिःर्विश्लोक येतु पथ्येव सूरेः।
   श्रीण्वन्तु विश्वे अमृतस्य पुत्रा आ ये धामानि दिव्यानि तस्थुः।

(iv) य एको जालवानीशत ईशनीभिःसर्वाल्लोकानीशत ईशनीभिः।
य एवैक सम्भवे च य एतद्विदुरमृतास्ते भवन्ति॥

अथवा/OR

य एकोऽवर्णो बहुधा शक्तियोगाद्वर्णाननेकान्निहितार्थो दधाति।
वि चैति चान्ते विश्वमादौ स देवं स नो बुद्धया शुभया संयुनक्तु।

2. निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए, जिनमें से एक **संस्कृत** में हो: **8x4=32**

Write short notes on the following, one of which should be in **Sanskrit**:

(i)	उपनिषदों की संख्या	**अथवा/OR**	जीव
(ii)	सृष्टिक्रम	**अथवा/OR**	ब्रह्मबन्धुरिव
(iii)	कार्यब्रह्म का नदी रूप में वर्णन	**अथवा/OR**	श्वेताश्वरोपनिषद् में सविता
(iv)	परमेश्वर पुरुष	**अथवा/OR**	प्रकृति

3. उपनिषद् में प्रतिपादित प्रमुख विषयवस्तु की विवेचना कीजिए। **13**

Explain the principal subject matter expounded in the Upanishads.

अथवा/OR

जनक-याज्ञवल्क्य संवाद की विवेचना कीजिए।

Explain the dialogue between Janaka and Yājñavalkya.

4. श्वेताश्वरतरोपनिषद् के अनुसार ध्यानयोग की विधि और उसका महत्त्व बताइये। **13**

Explain the method and significance of Dhyana Yoga according to the Shvetashvatara Upanishad.

अथवा/OR

श्वेताश्वतरोपनिषद् के चतुर्थ अध्याय के अनुसार परमेश्वर का स्वरूप बताइये।

Elucidate the concept of the Supreme Lord as presented in the fourth chapter of the Shvetashvatara Upanishad.